उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम

प्रशिक्षित स्नातक

विषय–संगीत वादन (13)

अवनद्ध

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्याः–
   ताली, खाली, आवर्तन, विभाग, तिहाई, पेशकारा, कायदा, गत, टुकड़ा, मुखड़ा, परन, रेला, स्वर, श्रुति, सप्तक, थाट, संगीत, ताल, लय, ठेका, मात्रा, सम।
2. संगीत का इतिहास।
3. तीनताल, झपताल, एकताल, आड़ाचारताल, पंचमसवारी, रूपक, चारताल, सूलताल, तीवरा, धमार, गजझम्पा, लक्ष्मी, शिखर, ब्रह्म, दीपचन्दी, जत, तिलवाड़ा, झूमरा, कहरवा एवं दादरा, इन तालों का परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ (3/2) की लयकारी में ताललिपिबद्ध करने क्षमता।
4. दिए गए बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की क्षमता।
5. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
6. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
7. वाद्य को मिलाने की विधि का ज्ञान।
8. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनकी वादन शैली की विशेषताओं का अध्ययन।
9. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर पलुस्कर ताललिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
10. अपने वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
11. कायदा, पेशकारा, टुकड़ा, परन, तिहाई, आदि बोलों को ताललिपि में लिखने का ज्ञान।
12. पं0 भैरव सहाय, नाना साहब पानसे, पं0 कण्ठे महाराज, उ0 अल्लारखा खां का जीवन परिचय तथा संगीत में योगदान।